Drishti IAS

करेंट अफेयर्स छत्तीसगढ़

जनवरी (संग्रह)

2023

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

छत्तीसगढ़ **3**

- मुख्यमंत्री ने कृषि पंचांग 2023 का किया विमोचन 3
- छत्तीसगढ़िया ओलंपिक: राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 8 से 10 जनवरी तक 3
- छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ज़िला प्रशासन की वेबसाइट को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार 4
- प्रतिवर्ष आयोजित होगा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 5
- एनीमिया मुक्त भारत अभियान में छत्तीसगढ़ देश में तीसरे स्थान पर 5
- राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का हुआ समापन 6
- राष्ट्रीय जंबूरी में छत्तीसगढ़ के कॉन्टिजेंट को 4 स्पर्धाओं में मिला 'ए ग्रेड' 6
- जीआईएस आधारित ज़िला जल संरक्षण योजना का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ 7
- आकांक्षी ज़िला के सूचकांकों में कांकेर ज़िला को मिला देश में आठवाँ स्थान 7
- मुख्यमंत्री ने बलरामपुर में राज्य के पहले शहीद पार्क का किया लोकार्पण 9
- मुख्यमंत्री ने किया तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ 9
- रायपुर, दुर्ग और भिलाई में जियो ट्रू 5जी शुरू 10
- कास्मो एक्सपो- 2023 ट्रेड एंड बिल्ड फेयर 10
- मुख्यमंत्री ने की गौरव गौर-लाटा को पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा 10
- छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद की बैठक में लिये गए कई महत्त्वपूर्ण निर्णय 11
- 200 फुट की ऊँचाई पर धरमजयगढ़ क्षेत्र की पहाड़ी में मिला शैलचित्र 12
- कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ज़िला प्रदेश में अव्वल 13
- कोड-ए-थान ओलंपियाड 14
- केंद्रीय पुल में सबसे ज़्यादा धान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य बना छत्तीसगढ़ 14
- कृषि मंत्री ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में किया 'मिलेट कैफे'का लोकार्पण 15
- ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सॉफ्ट टेनिस टूर्नामेंट में रविवि की महिला टीम बनी चैंपियन 15
- मुख्यमंत्री ने बलौदाबाज़ार में गढ़कलेवा का किया लोकार्पण 15
- छत्तीसगढ़ के छात्र मास्टर आदित्य प्रताप सिंह 'राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित 16
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश के पहले रुरल इंडस्ट्रियल पार्क का किया लोकार्पण 16
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को दी बड़ी सौगात 17
- राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता-2022 में छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने मारी बाजी 17
- छत्तीसगढ़ की तीन विभूतियाँ पद्म श्री सम्मान के लिये चयनित 18
- राज्यस्तरीय युवा महोत्सव 2022-23 का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ 19

नोट :

छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री ने कृषि पंचांग 2023 का किया विमोचन

चर्चा में क्यों ?

1 जनवरी, 2023 मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा प्रकाशित 'कृषि पंचांग 2023' का विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री बघेल ने कृषि पंचांग 2023 का विमोचन करते हुए कहा कि इस प्रकाशन में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन तकनीक तथा छत्तीसगढ़ शासन के कृषि एवं संबंधित विभागों द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारियों को सम्मिलित किया गया है। इससे कृषकों को खेती-किसानी के संबंध में बेहतर से बेहतर जानकारी उपलब्ध होगी।
- उन्होंने बताया कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि संबंधी विभिन्न कार्ययोजनाओं के माध्यम से नवीनतम जानकारी तथा अनुसंधान कार्यों को सीधे किसानों तक जोड़ने के प्रयास में कृषि पंचांग का प्रकाशन एक सशक्त माध्यम है।
- उन्होंने इस दौरान बताया कि राज्य सरकार ने राज्य में विगत 4 वर्षों में किसानों के हित में अनेक निर्णय लिये हैं, जिसके फलस्वरूप उनकी सामाजिक स्थिति तथा आर्थिक स्वावलंबन में बढ़ोतरी हुई है।
- कृषि पंचांग 2023 में खेती-किसानी में नवीनतम तकनीक सहित वैज्ञानिक तकनीकी के समावेश से महिला सशक्तीकरण, धान की उन्नत कतार बोनी तकनीक तथा वैज्ञानिक तकनीक द्वारा ग्राफ्टेड पौधों से सब्जी उत्पादन आदि के बारे में बेहतर ढंग से जानकारी दी गई है।
- इसी तरह ड्रोन के प्रयोग से लाभदायक कृषि, चना उत्पादन की लाभकारी साई(एससीआई) तकनीक, ताप सहनशील गेहूँ की नवीन किस्म: सी.जी. 1029 (कनिष्का), महुआ संग्रहण की उन्नत तकनीक और केले के रेशे से आर्थिक समृद्धि आदि को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है।
- इसके अलावा मुख्यमंत्री ने रायपुर प्रेस क्लब में नववर्ष मिलन समारोह के दौरान सतपुड़ा वन्य जीव फाउंडेशन और दैनिक विश्व परिवार समाचार-पत्र द्वारा तैयार वर्ष-2023 के कैलेंडर का विमोचन किया। सतपुड़ा वन्य जीव फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित कैलेंडर के 12 पृष्ठों में अलग-अलग वन्य जीवों की आकर्षक तस्वीरे हैं। कैलेंडर वन्य प्राणियों और उनके प्राकृतिक रहवास के संरक्षण का संदेश देती हैं।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक: राज्य स्तरीय प्रतियोगिता 8 से 10 जनवरी तक

चर्चा में क्यों ?

3 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2022-23 का राज्य स्तरीय आयोजन अब 8 जनवरी से 10 जनवरी, 2023 तक राजधानी रायपुर के विभिन्न खेल मैदानों के साथ-साथ इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का उद्घाटन समारोह 8 जनवरी को सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में होगा। समापन समारोह का आयोजन स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा-रायपुर में 10 जनवरी को किया जाएगा।
- छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के सभी 14 खेल विधाओं की प्रतियोगिता सरदार बलबीर सिंह जुनेजा स्टेडियम, आउटडोर स्टेडियम बुढ़ापारा, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय खेल परिसर और स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा में आयोजित किये जाएंगे।
- गौरतलब है कि पूर्व में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिये 7 जनवरी से 9 जनवरी की तिथि निर्धारित की गई थी जिसे बदलकर 8 से 10 जनवरी कर दिया गया है।

नोट :

मुख्यमंत्री ने दक्षिण भारत के अग्रणी डिजिटल न्यूज नेटवर्क 'हैशटैग यू' के छत्तीसगढ़ संस्करण का किया शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

4 जनवरी, 2023 को छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय कक्ष में दक्षिण भारत के अग्रणी डिजिटल न्यूज नेटवर्क 'हैशटैग यू' का छत्तीसगढ़ संस्करण लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि 'हैशटैग यू छत्तीसगढ़'हिन्दी में होगा और इसमें छत्तीसगढ़ से संबंधित महत्त्वपूर्ण समाचार और रिपोर्ट प्रकाशित किये जाएंगे।
- 'हैशटैग यू'के सीईओ दिनेश अकुला ने बताया कि 'हैशटैग यू'को एक साल पहले तेलुगु में लॉन्च किया गया था। यह तेलुगु मीडिया में अग्रणी वेबसाइट और यू ट्यूब चैनल में से एक है। यह नेटवर्क निकट भविष्य में मनोरंजन वेबसाइट के अलावा 6 अन्य भाषाओं में लॉन्च किया जा रहा है।
- उन्होंने बताया कि इस डिजिटल नेटवर्क द्वारा गहन विश्लेषण और बारीकियों के साथ समाचारों को कवर किया जाता है साथ ही पाठकों तक त्वरित गति से समाचारों के संप्रेषण का प्रयास किया जाता है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ज़िला प्रशासन की वेबसाइट को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

7 जनवरी, 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ज़िला प्रशासन की वेबसाइट को नवाचार के लिये राष्ट्रीय प्लेटिनम अवार्ड से सम्मानित किया। बिलासपुर के ज़िला कलेक्टर सौरभ कुमार ने यह अवार्ड ग्रहण किया।

प्रमुख बिंदु

- भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ज़िला प्रशासन की वेबसाइट को राष्ट्रीय प्लैटिनम अवार्ड के लिये चुना गया था।
- उल्लेखनीय है कि यह प्रतिष्ठित अवार्ड अलग-अलग श्रेणियों में प्रथम स्थान पर रहने वाली शासकीय वेबसाइटों को प्रदान किया जाता है। बिलासपुर ज़िला प्रशासन की वेबसाइट को बेस्ट वेब एंड मोबाइल इनिशिएटिव कांपलांइथ विथ जीआईजीडब्ल्यू एंड एससीबिलिटी गाइडलाइन की श्रेणी के अंतर्गत यह पुरस्कार दिया गया है।
- केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजना डिजिटल इंडिया के क्रियान्वयन में बिलासपुर ज़िले की वेबसाइट ने नवाचार किया है। एनआईसी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र) द्वारा तैयार वेबसाइट में केंद्र व राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी अपलोड करने के साथ ही दिव्यांगों के लिये भी इसमें विशेष सुविधा दी गई है।
- दृष्टिबाधित भी साफ्टवेयर के जरिये इस वेबसाइट में दी गई सूचनाओं को सुन सकते हैं। जहाँ-जहाँ माउस का कर्सर जाएगा, वहाँ लिखी जानकारी आवाज में बदल जाएगी।
- हालाँकि अभी यह सुविधा अंग्रेजी में ही है। आने वाले दिनों में हिन्दी में भी यह सुविधा दी जाएगी। इसके लिये एनआईसी के तकनीकी विशेषज्ञों ने काम करना शुरू कर दिया है।
- गौरतलब है कि दृष्टिबाधितों के लिये वेबसाइट में विशेष प्रकार का साफ्टवेयर भी अपलोड किया गया है। इसका उपयोग मुफ्त में किया जा सकेगा। इसके लिये अतिरिक्त राशि नहीं देनी पड़ेगी।

नोट :

प्रतिवर्ष आयोजित होगा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक

चर्चा में क्यों ?

8 जनवरी, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायपुर के बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए घोषणा की कि छत्तीसगढ़ में पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने के लिये हर साल सितंबर-अक्टूबर में छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने क्लस्टर, ब्लॉक, ज़िला, मंडल और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के लिये नकद पुरस्कारों की भी घोषणा की।
- मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों का प्रदेश की संस्कृति में विशेष स्थान है। पारंपरिक खेलों के युग को वापस लाने और इन खेलों को फलने-फूलने का माहौल बनाने के लिये छत्तीसगढ़िया ओलंपिक शुरू किया गया है।
- समारोह को संबोधित करते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव, खेल और युवा कल्याण विभाग, रेणु जी पिल्लई ने कहा कि इस आयोजन में लगभग 1,900 प्रतिभागियों ने भाग लिया। फाइनल 10 जनवरी तक रायपुर में होगा।
- इन खेलों में बच्चों से लेकर बड़ों, महिलाओं और युवाओं तक सभी आयु वर्ग के लोगों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। ओलंपिक में ग्रामीण क्षेत्रों से 25 लाख से अधिक और शहरी क्षेत्रों से 1.30 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया।

एनीमिया मुक्त भारत अभियान में छत्तीसगढ़ देश में तीसरे स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

9 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बच्चों, किशोरों, गर्भवती तथा शिशुवती महिलाओं को आईएफए (आयरन फोलिक एसिड) सप्लीमेंटेशन उपलब्ध कराने में छत्तीसगढ़ देश में तीसरे स्थान पर है। पूरे देश में छत्तीसगढ़ से आगे केवल आध्रं प्रदेश और महाराष्ट्र ही हैं।

प्रमुख बिंदु

- एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत छह माह से 19 वर्ष तक के बच्चों तथा गर्भवती व शिशुवती महिलाओं को आईएफए की खुराक दी जाती है। मितानिनों द्वारा छोटे बच्चों को आयरन एवं फॉलिक एसिड सिरप तथा गर्भवती व शिशुवती महिलाओं को टेबलेट प्रदान किया जाता है। साथ ही स्कूलों में बच्चों को आईएफए की दवाई दी जाती है।
- गौरतलब है कि भारत सरकार द्वारा हर माह एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में आईएफए सप्लीमेंटेशन का स्कोर कॉर्ड जारी किया जाता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा हाल ही में विगत जुलाई, अगस्त और सितंबर माह में पूरे देश में आईएफए सप्लीमेंटेशन की रिपोर्ट जारी की गई है। इसके अनुसार छत्तीसगढ़ इन महीनों में लगातार देश में तीसरे स्थान पर रहा है।
- एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. वी.आर. भगत ने बताया कि छत्तीसगढ़ एनीमिया दूर करने के लिये आईएफए सप्लीमेंटेशन में उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तमिलनाडु जैसे कई बड़े राज्यों को पीछे छोड़ते हुए लगातार तीसरे स्थान पर काबिज है। प्रदेश में पिछले कुछ महीनों में इस अभियान में खासी तेजी आई है। जून-2022 तक छत्तीसगढ़ देश में छठवें स्थान पर था।
- भारत सरकार द्वारा सितंबर-2022 तक पूरे देश में राज्यवार आईएफए सप्लीमेंटेशन के जारी आँकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में छह माह से 59 माह के 66.4 प्रतिशत बच्चों को और पाँच वर्ष से नौ वर्ष के 71.5 प्रतिशत बच्चों को आईएफए सप्लीमेंटेशन दिया गया है। प्रदेश में इस दौरान दस वर्ष से 19 वर्ष के 74.6 प्रतिशत बच्चों व किशोरों तथा 95 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं और 61.6 प्रतिशत शिशुवती महिलाओं (Lactating Mothers) को आईएफए सप्लीमेंटेशन की खुराक दी गई है। इन सभी समूहों को मिलाकर छत्तीसगढ़ में आईएफए सप्लीमेंटेशन का ओवरऑल स्कोर 73.8 प्रतिशत है।

नोट :

राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का हुआ समापन

चर्चा में क्यों ?

10 जनवरी, 2023 को राजधानी रायपुर में तीन दिनों से चल रहे राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों का रंगा-रंग समापन बलवीर सिंह जुनेजा स्टेडियम में हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की राज्य स्तर की स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय और तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साह बढ़ाया गया।
- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का शुभारंभ 8 जनवरी को किया था। इस मौके पर उन्होंने कहा था कि छत्तीसगढ़िया खेलों को संरक्षित करने और आगे बढ़ाने के लिये छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरुआत की गई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन हर वर्ष सितंबर-अक्टूबर माह में किये जाने की घोषणा भी की थी।
- छत्तीसगढ़िया ओलंपिक को लेकर पूरे प्रदेश में लोगों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं ने इन खेलों में पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। गाँव-गाँव में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। महिलाओं ने भी इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।
- खेल एवं युवा कल्याण विभाग की अपर मुख्य सचिव रेणु जी पिल्ले ने बताया कि राज्य स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेलों में सभी ज़िलों के 1711 प्रतिभागी शामिल हुए। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में ग्रामीण क्षेत्रों के 25 लाख से ज्यादा और नगरीय क्षेत्रों में एक लाख 30 हज़ार से ज्यादा लोगों की भागीदारी रही।
- उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरूआत 6 अक्टूबर, 2022 को हुई थी। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में राज्य स्तरीय स्पर्धा में सबसे छोटी 6 वर्ष की बालिका ने फुगड़ी में और 79 वर्षीय बुजुर्ग महिला सुकारो दाई ने गेंड़ी दौड़ में हिस्सा लिया।
- बलबीर सिंह जुनेजा इनडोर स्टेडियम में फुगड़ी, बिल्लस, भँवरा, बाटी और कबड्डी, छत्रपति शिवाजी महाराज आउटडोर स्टेडियम में संखली, रस्साकशी, लंगडी, पिट्ठूल, गेंडी दौड़, माधव राव सप्रे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में खो-खो और गिल्ली डंडा और स्वामी विवेकानंद स्टेडियम कोटा में लंबी कूद और 100 मीटर दौड़ खेलों की प्रतिस्पर्धाएँ आयोजित की गई।
- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य के छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन किया गया। घरेलू महिलाएँ, बच्चे और बुजुर्गों ने भी इस ओलंपिक में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में 14 खेलों को शामिल किया गया था। इसके तहत दलीय खेल में गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बाटी (कंचा) और एकल खेल में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मी. दौड़ तथा लंबी कूद की प्रतिस्पर्धाएँ शामिल थी।

राष्ट्रीय जंबूरी में छत्तीसगढ़ के कॉन्टिजेंट को 4 स्पर्धाओं में मिला 'ए ग्रेड'

चर्चा में क्यों ?

10 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के कॉन्टिजेंट ने राजस्थान के रोहट (पाली) में आयोजित भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी में जोरदार उपस्थिति दर्ज कराते हुए चार प्रतियोगिताओं में 'ए ग्रेड' प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- राजस्थान के रोहट, पाली में 4 से 10 जनवरी तक आयोजित हुई राष्ट्रीय जंबूरी का शुभारंभ राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने किया था। छत्तीसगढ़ की प्रदर्शनी पूरे जंबूरी में आकर्षण का केंद्र बनी हुई थी। छत्तीसगढ़ के लड़कियों की सुरक्षा से जुड़े साइंस प्रोजेक्ट के प्रति भी लोगों ने काफी दिलचस्पी दिखाई।
- छत्तीसगढ़ कॉन्टिजेंट ने दो संयुक्त प्रतियोगिता राज्य प्रदर्शनी एवं एथनिक शो में 'ए ग्रेड' प्राप्त किया। इन दोनों प्रतियोगिताओं में छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति को प्रदर्शित किया गया था। इसी तरह स्काउट विंग ने मार्चपास्ट तथा गाइड विंग ने फिजिकल डिस्प्ले में 'ए ग्रेड' प्राप्त किया।

नोट :

- इसके साथ ही संयुक्त प्रतियोगिताओं में ग्लोबल डेवलपमेंट विलेज, कलर पार्टी, पेजेंट शो, फूड प्लाजा, फोक डांस में 'बी ग्रेड'मिला। स्काउट विंग की स्पर्धा कैंप फायर व फिजिकल डिस्प्ले तथा गाइड विंग की स्पर्धा स्टेट गेट व रंगोली में भी 'बी ग्रेड' हासिल हुआ।
- गौरतलब है कि स्कूल शिक्षा मंत्री व भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के अध्यक्ष डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम और संसदीय सचिव विनोद सेवनलाल चंद्राकर के मार्गदर्शन तथा राज्य सचिव कैलाश सोनी की अगुवाई में छत्तीसगढ़ से 381 की संख्या वाला दल राष्ट्रीय जंबूरी में सम्मिलित हुआ। इसमें 24 ज़िलों से लगभग तीन सौ स्काउट्स, गाइड्स सहित लीडर्स, राज्य मुख्यालय स्टॉफ, सर्विस रोवर्स, रेंजर्स शामिल थे।
- प्रतियोगिताओं के अलावा स्काउट्स, गाइड्स ने एडवेंचर, फन गेम्स, नाइट हाइक आदि गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। स्काउट विंग के कॉन्टिजेंट लीडर सीएल चंद्राकर एवं गाइड विंग की कॉन्टिजेंट लीडर सीमा साहू थीं। शैलेंद्र मिश्रा ने नेशनल स्टॉफ के तौर पर अपनी सेवाएँ दीं। 18वीं राष्ट्रीय जंबूरी में भारत के स्काउटिंग के समस्त राज्यों सहित सात अन्य देशों से 37 हजार स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स ने भागीदारी की।

जीआईएस आधारित ज़िला जल संरक्षण योजना का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

12 जनवरी, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत धमतरी ज़िले के सिहावा विधानसभा स्थित रेस्ट हाउस में ज़िला स्तर के अधिकारियों की बैठक लेकर योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री ने जीआईएस आधारित ज़िला जल संरक्षण योजना का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- ज़िला विज्ञान एवं सूचना अधिकारी ने बताया कि जल संसाधनों को संरक्षित करने और कृषि कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ज़िले के परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और नवीनीकरण के लिये ज़िला प्रशासन द्वारा जलशक्ति अभियान के तहत यह योजना तैयार की गई है।
- उन्होंने बताया कि योजनांतर्गत वर्ष 2021-22 में वर्षा जल संचयन 878 कार्य, पारंपरिक जल स्त्रोतों का जीर्णाद्धार के 733 कार्य, नवीनीकरण और पुनर्भरण संरचना के 145, वाटरशेड विकास के 728 कार्य किये गए तथा सघन वृक्षारोपण के अंतर्गत 58 लाख पौधे रोपे गए।
- इसके अलावा जल स्रोतों की गणना एवं उनका जियो टैगिंग कार्य किया गया है। जल स्रोतों की जानकारी पोर्टल में शत-प्रतिशत अपलोड कर दी गई है।

आकांक्षी ज़िला के सूचकांकों में कांकेर ज़िला को मिला देश में आठवाँ स्थान

चर्चा में क्यों ?

13 जनवरी, 2023 को कांकेर ज़िला कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने बताया कि नीति आयोग द्वारा जारी आकांक्षी ज़िला के सूचकांकों में कांकेर ज़िला ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में आठवाँ स्थान प्राप्त किया है।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि देश के 112 ज़िलों को आकांक्षी ज़िला घोषित किया गया है। इन ज़िलों में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों जैसे- स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, बुनियादी ढाँचा, वित्तीय समावेशन एवं कौशल उन्नयन सहित विभिन्न 49 सूचकांकों पर नीति आयोग द्वारा समीक्षा की जाती है एवं उपलब्धियों पर रैंकिंग दी जाती है, जिसमें कांकेर ज़िला ने आठवाँ स्थान प्राप्त किया है।
- इसके साथ ही स्वास्थ्य एवं पोषण के सूचकांकों में कांकेर ज़िला ने छठवाँ रैंक प्राप्त किया है।
- कांकेर ज़िला कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने ज़िले के सभी अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि शासन द्वारा संचालित सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए ज़िलेवासियों को लाभान्वित किया जाए।

नोट :

पूरक पोषण आहार, फोर्टिफाइड चावल और एथेनाल एवं पॉवर प्लांट लगाने के लिये निजी कंपनियों के साथ दो एमओयू पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों ?

13 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री कवासी लखमा की उपस्थिति में उद्योग भवन रायपुर में छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग ने पूरक पोषण आहार, फोर्टिफाइड चावल और एथेनाल एवं पॉवर प्लांट लगाने के लिये निजी कंपनियों के साथ दो एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बिंदु

- छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग एवं सुरुचि फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के मध्य पूरक पोषण आहार तथा फोर्टिफाइड राइस के लिये अनुबंध हुआ, जिसमें कंपनी 7 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस उद्योग से 800 लोगों को रोज़गार उपलब्ध होगा।
- छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग एवं यूनिटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के मध्य एथेनाल एक्सट्रैक्शन फ्रॉम मेज बेस्ड कॉर्न स्टार्च एंड डैमेज राइस एवं पावर प्लांट के लिये अनुबंध हुआ, जिसमें कंपनी 183 करोड़ का निवेश करेगी। इस उद्योग से लगभग 120 लोगों को रोज़गार उपलब्ध होगा। इस प्रकार कुल 7 करोड़ रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।
- पूरक पोषण आहार तथा फोर्टिफाइड राइस के लिये छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग के सचिव भुवनेश यादव और सुरुचि फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से संचालक हिमांशु गुप्ता ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये, वहीं एथेनाल एक्सट्रैक्शन फ्रॉम मेज बेस्ड कॉर्न स्टार्च एंड डैमेज राइस एवं पावर प्लांट के लिये छत्तीसगढ़ उद्योग विभाग के सचिव भुवनेश यादव और यूनिटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के संचालक बसंत कुमार अग्रवाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।
- इन समझौतों के होने से अब एथेनाल बनाने में चावल, गेहूँ, जौ, मक्का और ज्वार जैसे अनाजों का इस्तेमाल किया जा सकेगा।
- गौरतलब है कि फोर्टिफाइड चावल पोषक एवं स्वास्थ्यवर्धक है। यह आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 से युक्त होता है। इसमें मौजूद आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 जैसे पोषक तत्त्व बड़ों एवं बच्चों में खून की कमी नहीं होने देते हैं तथा खून निर्माण एवं तंत्रिका तंत्र के सही ढंग से कार्य करने में सहायक होते हैं।
- उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में 30 दिसंबर, 2021 को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में एथेनाल उत्पादन के लिये अनाज आधारित भट्टियों की स्थापना करना और मौजूदा अनाज आधारित भटियों का विस्तार करने की योजना को मंजूरी दी गई थी। बैठक के बारे में जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि अनाज से एथेनॉल बनने पर लगभग 175 लाख मीट्रिक टन अनाज (चावल, गेंहूँ, जौ, मक्का और ज्वार) का इस्तेमाल किया जा सकेगा।
- एथेनॉल एक तरह का अल्कोहल है जिसे पेट्रोल में मिलाकर गाड़ियों में फ्यूल की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। इथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने की फसल से होता है लेकिन शर्करा वाली कई अन्य फसलों से भी इसे तैयार किया जा सकता है। इससे खेती और पर्यावरण दोनों को फायदा होता है।
- इसके अलावा एथेनॉल का उपयोग वार्निश, पालिश, दवाओं के घोल तथा इनका निष्कर्ष, ईथर, क्लोरोफार्म, कृत्रिम रंग, पारदर्शक साबुन, इत्र तथा फल की सुगंधों का निष्कर्ष और अन्य रासायनिक यौगिक बनाने में होता है। पीने के लिये विभिन्न मदिराओं के रूप में, घावों को धोने में जीवाणुनाशक के रूप में तथा प्रयोगशाला में घोलक के रूप में इसका उपयोग होता है। पीने के औषधियों में यह डाला जाता है और मरे हुए जीवों को संरक्षित रखने में भी इसका उपयोग होता है।
- एथेनॉल दो विधियों से तैयार किया जाता है। इसमें पहली संश्लेषण विधि व दूसरी किण्वीकरण विधि है। संश्लेषण विधि-एथिलीन गैस को सांद्र सल्फ्यूरिक अम्ल में शोषित कराने से एथिल हाइड्रोजन सल्फेट बनता है जो जल के साथ उबालने पर जल अपघटित (हाइड्रोलाइज) होकर एथिल ऐल्कोहल देता है। इस विधि का प्रचलन अभी अधिक नहीं है।
- वहीं किण्वीकरण विधि के द्वारा किसी भी शक्करमय पदार्थ (गन्ने की शक्कर, ग्लूकोस, शोरा, महुए का फूल आदि) या स्टार्चमय पदार्थ (आलू, चावल, जौ, मकई आदि) से ऐल्कोहल व्यापारिक मात्रा में बनाते हैं।

नोट :

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर में राज्य के पहले शहीद पार्क का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

15 जनवरी, 2023 को छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलरामपुर में राज्य के पहले शहीद पार्क का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- बलरामपुर में प्रदेश के पहले शहीद पार्क को लगभग चालीस लाख रूपए की लागत से तैयार किया गया है। इसके निर्माण के लिये नगर पालिका को नोडल एजेंसी बनाया गया था।
- बलरामपुर के शहीद चौक पर स्थापित इस पार्क में शहीद प्रधान आरक्षक लाजरुस मिंज, शहीद आरक्षक महेश राम पैंकरा, शहीद आरक्षक अनिल खलको, शहीद उप निरीक्षक नबोर कुजूर, शहीद प्रधान आरक्षक मनाजरूल हक, शहीद उप निरीक्षक मसीह भूषण लकड़ा, शहीद प्रधान आरक्षक रामसाय राम की प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं।
- इनकी प्रतिमाओं के नीचे अमर शहीदों का बायोडाटा भी उकेरा गया है, ताकि हर कोई इनके अतुल्य योगदान के बारे में जान सके।

मुख्यमंत्री ने किया तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

14 जनवरी, 2023 को छतीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मकर संक्रांति के अवसर पर बलरामपुर ज़िले के ऐतिहासिक तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 976 करोड़ 47 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया। इनमें रामानुजगंज विधानसभा क्षेत्र में 284 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 446 विकास कार्यों का लोकार्पण, सामरी विधानसभा क्षेत्र में 777 विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 16 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में 46 विकास कार्यों का शिलान्यास व 138 विकास कार्यों का लोकार्पण शामिल है।
- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान किये गए 20 घोषणाओं तथा 03 निर्देशों का शिलान्यास एवं सामरी विधानसभा क्षेत्र में विद्युत विभाग के दो कार्यों का लोकार्पण किया।
- महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सामूहिक कन्या विवाह योजनांतर्गत 501 जोड़ों के विवाह समारोह में सम्मिलित हुए तथा नव दंपत्तियों को आशीर्वाद दिया।
- धार्मिक मान्यताओं व भूमिगत गर्म जल स्त्रोत के नाम से प्रसिद्ध तातापानी में प्रत्येक वर्ष की भाँति मकर संक्रांति पर्व पर वृहद् मेला लगता है। लोगों की श्रद्धा व आस्था का सम्मान करते हुए प्रतिवर्ष ज़िला प्रशासन के द्वारा तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का आयोजन किया जाता है।
- उल्लेखनीय है कि अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाईवे पर ज़िला मुख्यालय बलरामपुर से 12 किलोमीटर दूर तातापानी स्थित है। यहाँ 8 से 10 प्राकृतिक जल के गर्म कुंड हैं। इसके अलावा यहाँ एक विशाल शिव जी की प्रतिमा है। इसे ज़िला प्रशासन द्वारा बनवाया गया है।
- स्थानीय भाषा में ताता का अर्थ गर्म होता है। इसलिये इस जगह का नाम तातापानी पड़ गया। यहाँ स्थित गर्म जलकुंड से निकलने वाला पानी इतना गर्म होता है कि चावल, अंडे और आलू तक उबाल सकते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि इस क्षेत्र में सल्फर की मात्रा अधिक है। इसी वजह से यहाँ से निकलने वाला पानी गर्म होता है। ऐसी मान्यता है कि इन जल कुंडों में स्नान करने से अनेक चर्म रोग ठीक हो जाते हैं।
- तातापानी में मकर संक्रांति के अवसर पर पिछले 50 से अधिक वर्षों से हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता रहा है।
- बलरामपुर ज़िले के अस्तित्व में आने के बाद प्रशासन ने तातापानी मेला को महोत्सव का स्वरूप दिया है। वर्षों पुराने तातापानी के मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए कई फीट ऊँची शिव जी की प्रतिमा स्थापित की गई है। इसी के ठीक नीचे 12 ज्योतिर्लिंगों का स्वरूप प्रदर्शित किया गया है।

नोट :

रायपुर, दुर्ग और भिलाई में जियो ट्रू 5जी शुरू

चर्चा में क्यों ?

14 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में एक कार्यक्रम में जियो ट्रू 5जी सेवा की शुरुआत की। इस लॉन्च के साथ छत्तीसगढ़ के 3 शहरों राजधानी रायपुर, दुर्ग और भिलाई में जियो ट्रू 5जी सेवाएँ शुरू हो गईं।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जिओ ट्रू 5जी सेवा लॉन्च होने से ई-गवर्नेंस, कृषि, उर्जा, शिक्षा, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य, लोक आधारित टूरिज्म, स्वयं सहायता समूहों का सशक्तीकरण, आईटी और एसएमई कारोबार जैसे क्षेत्रों में विकास के नए अवसर खुलेंगे।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि मोबाईल क्षेत्र 5जी के उपयोग से मरीजों को गोल्डन पीरियड में बहुत मदद मिलेगी। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं विभिन्न क्षेत्रों में 5जी बहुत उपयोगी होगी।

कास्मो एक्सपो- 2023 ट्रेड एंड बिल्ड फेयर

चर्चा में क्यों ?

14 जनवरी 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा संचालित महत्त्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं एवं विगत चार वर्षों की उपलब्धि पर आधारित छाया चित्र प्रदर्शनी राजधानी रायपुर में चल रहे 'कास्मो एक्सपो-2023 ट्रेड एंड बिल्ड फेयर'में लगाया गया है।

प्रमुख बिंदु

- विधानसभा रोड स्थित श्रीराम बिजनेस पार्क में रोटरी क्लब ऑफ रायपुर कास्मोपालिटिन के द्वारा 13 जनवरी, 2023 को 'कास्मो एक्सपो-2023 ट्रेड एंड बिल्ड फेयर'का शुभारंभ हुआ था। 16 जनवरी तक चलने वाले इस आयोजन में लगभग 350 स्टॉल लगाए गए हैं।
- गौरतलब है कि कास्मो एक्सपो ट्रेड एंड बिल्ड फेयर अब मध्यभारत का सबसे बड़े ट्रेड फेयर के रूप में पहचान बना चुका है। इस एक्सपो में शासकीय व निजी सेक्टर के करीब 350 स्टॉल शामिल हैं।
- कास्मो एक्सपो में लगाए गए स्टॉलों में उद्योग-व्यापार से जुड़े लगभग सभी सेक्टर शामिल हैं, जिसमें मुख्यत: रियल एस्टेट, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन, टेक्नोलॉजी इनोवेशन, मैन्यूफैक्चरिंग सर्विस, बैंक एंड फाइनेंस, ट्रेवल्स एंड टूरिज्म, एजुकेशन, हेल्थ केयर, लाइफ स्टाइल और जनरल स्टॉल शामिल हैं। इनमें शासकीय विभागों व निजी समूह के स्टॉल हैं।
- जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजन स्थल पर राज्य शासन की फ्लैगशिप योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई है। सुराजी गाँव योजना, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव युवा मितान क्लब, वनोपज की खरीदी और गोधन न्याय योजना जैसे महत्त्वपूर्ण योजनाओं को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।
- इन योजनाओं की जानकारी एलईडी स्क्रीन के ज़रिये भी दी जा रही है और यहाँ आने वाले लोगों को योजनाओं से संबंधित पॉम्पलेट और ब्रोशर भी वितरित किये जा रहे है। स्टॉल में छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीत-संगीत पर आधारित कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जा रहे हैं।
- फूड कोर्ट का स्टॉल इस बार रायपुर फूडी लवर्स के द्वारा संचालित किया गया है, जिनके लिये एक अलग वृहद डोम हैं जहाँ पर 45 स्टॉल लगाए गए है। यहाँ पर लोगों को देश के विभिन्न राज्यों के व्यजंनों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी व्यंजन का भी लुफ्त उठाने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने की गौरव गौर-लाटा को पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

16 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के बलरामपुर ज़िले के उत्तरी छोर पर स्थित सबसे ऊँची चोटी गौर-लाटा को पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित करने की घोषणा की है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि गौर-लाटा पर्यटन के लिहाज से अविश्वसनीय स्थान है। स्थानीय स्तर पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये ज़िला प्रशासन द्वारा यहाँ लगातार प्रयास किया जा रहा था।
- विदित है कि 1225 मीटर ऊँची गौर-लाटा छत्तीसगढ़ की सबसे ऊँची चोटी है और भौगोलिक संरचना के अनुसार यह पाट प्रदेश से संबंधित है। इस चोटी से छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमा पर स्थित बड़े वन क्षेत्र की अद्भुत खूबसूरती नज़र आती है।
- इस पहाड़ी पर कई गुफाएँ और प्राकृतिक जलस्रोत भी हैं। वतर्मान में यह स्थान स्थानीय लोगों के पर्यटन के लिये पहली पसंद है, लेकिन अब पर्यटन स्थल क्षेत्र घोषित होने से यह क्षेत्र बेहतर रूप में उभरकर सामने आएगा।
- छत्तीसगढ़ की सबसे ऊँची चोटी गौर-लाटा की पहाड़ी फिलहाल स्थानीय पर्वतारोहियों के लिये ट्रैकिंग के लिये भी प्रसिद्ध है। यहाँ अक्सर प्रशासनिक टीम और स्थानीय ग्रुप्स क्षेत्र को विकसित करने का संदेश लेकर गौर-लाटा की चढ़ाई करते हैं। हालाँकि कठिन रास्तों के कारण पर्यटकों की अभी भी यहाँ से दूरी बनी हुई है। इस कठिनाई को आसान बनाने के लिये बलरामपुर ज़िला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पहले से ही प्रयास किया जाता रहा है।
- मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अब गौर-लाटा बलरामपुर के गौरव के रूप में विकसित हो सकेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोज़गार के नए अवसर मिलने के साथ ही पर्यटकों को भी प्रकृति का प्यार मिल सकेगा।

छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद की बैठक में लिये गए कई महत्त्वपूर्ण निर्णय

चर्चा में क्यों ?

16 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में रायपुर में हुई छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद की बैठक में कई महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गए।

प्रमुख बिंदु

- इस बैठक में छत्तीसगढ़ विधानसभा में पारित अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिये आरक्षण (संशोधन) विधेयक-2022 और छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) विधेयक-2022 के अनुमोदन की अनुशंसा की गई।
- गौरतलब है कि उक्त आरक्षण विधेयक में अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिये 32 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। इसका अनुमोदन न होने पर विभिन्न वर्गों के साथ-साथ अनुसूचित जनजाति वर्ग को भी नौकरियों में भर्ती तथा शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश संबंधी कठिनाइयाँ आ रही हैं। इसके मद्देनज़र छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद की आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में इसके अनुमोदन की अनुशंसा की गई।
- बैठक में नगरनार इस्पात संयंत्र का निजीकरण नहीं करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजने का भी निर्णय लिया गया।
- मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि अनुसूचित क्षेत्रों में सामुदायिक सद्भाव बिगाड़ने वालों पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिये रंजना गाँव का नामकरण 'राजीव गांधी रंजना' करने की घोषणा

चर्चा में क्यों ?

17 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य के कोरबा ज़िले के कटघोरा विधानसभा के रंजना गाँव का नामकरण पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के नाम पर 'राजीव गांधी रंजना'के रूप में करने की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- ज्ञातव्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी 13 जुलाई, 1985 में ग्राम रंजना आए थे। उनकी स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिये मुख्यमंत्री ने गांव का नामकरण उनके नाम पर करने की घोषणा की है।
- इसके अलावा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्राम रंजना में ज़िला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा प्रारंभ करने, नगर पालिका दीपका एवं बांकी मोंगरा में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ करने, भिलाई बाज़ार में उप-तहसील प्रारंभ करने, कटघोरा में फॉर्मेसी महाविद्यालय की घोषणा की।

नोट :

- इसी तरह उन्होंने शासकीय महाविद्यालय बांकी मोंगरा के भवन निर्माण, कृषि विज्ञान केंद्र लखनपुर में कृषक प्रशिक्षण केंद्र भवन निर्माण, शासकीय हाईस्कूल बिरदा का उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उन्नयन, शासकीय महाविद्यालय दीपका का नामकरण शहीद मूलचंद कंवर के नाम पर करने, ग्राम तिवरता में दादा हीरा सिंह मरकाम की प्रतिमा स्थापना की भी घोषणा की।

200 फुट की ऊँचाई पर धरमजयगढ़ क्षेत्र की पहाड़ी में मिला शैलचित्र

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में छत्तीसगढ़ में गुफा अन्वेषण और शैलचित्र खोज के लिये विख्यात प्रो. डी.एस.मालिया को रायगढ़ ज़िले के धरमजयगढ़ में 200 फुट की ऊँचाई पर स्थित शैलाश्रय में प्रागैतिहासिककालीन शैलचित्र प्राप्त हुए हैं।

प्रमुख बिंदु

- प्रो. डी.एस.मालिया के द्वारा जारी सघन गुफा खोज अभियान में ये शैलचित्र प्राप्त हुए। प्रो. मालिया ने कहा कि गुफा अन्वेषण अभियान अभी जारी है, अभियान पूर्ण होने पर विस्तृत जानकारी साझा किया जाएगा।
- गौरतलब है कि रायगढ़ ज़िले में अभी तक कबरा पहाड़, सिंघनपुर, ओंगना व उषाकोठी, बाँसाझार, बोतल्दा सहित कुछ अन्य स्थानों से शैलचित्र प्राप्त हुए हैं जो राज्य संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग द्वारा चिन्हांकित हैं।
- प्रो. डी.एस. मालिया द्वारा 1994 से गुफा अन्वेषण अभियान चलाया जा रहा है और 16 अन्य स्थलो पर प्रागैतिहासिककालीन शैलचित्र की खोज की गई है जिसमें 2003 में शोखामुड़ा की पंचभया पहाड़ी श्रृंखला से प्राप्त वंदनखोह गुफा के शैलचित्र सबसे महत्त्वपूर्ण है जिसे राज्य संस्कृति विभाग के तत्कालीन उप संचालक डॉ. जी एल बादाम ने नवीन खोज करार दिया था।
- राज्य सरकार के पुरातत्त्व संचालनालय के अधिकारियों के अनुसार राज्य में मध्याश्मीय काल से लेकर ऐतिहासिक काल तक के शैलाश्रय मौजूद हैं, जो इतिहास और पुरातत्त्व के मानचित्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो चुके हैं।
- राज्य में सर्वप्रथम चित्रित शैलाश्रयों की खोज सन् 1910 में अंग्रेज अनुसंधानकर्त्ता एंडरसन के द्वारा की गई थी। इसके बाद वर्ष 1918 में इंडिया पेंटिंग्स में और इनसाईक्लोपीड़िया ब्रिटेनिका के तेरहवें अंक में रायगढ़ ज़िले के सिंघनपुर की पहाड़ियों के शैल चित्रों का प्रकाशन हुआ।
- भारतीय इतिहासकार अमरनाथ दत्त ने सन् 1923 से 1927 के बीच रायगढ़ ज़िले में व्यापक सर्वेक्षण कर और भी अनेक शैल चित्रों का पता लगाया। उनके बाद डॉ. एन. घोष, डी.एच. गार्डन और पंडित लोचन प्रसाद पांडेय ने भी इस दिशा में अध्ययन और अनुसंधान के महत्त्वपूर्ण कार्य किये।
- रायगढ़ ज़िले में सिंघनपुर के शैल चित्र ज़िला मुख्यालय रायगढ़ से पश्चिम दिशा में लगभग 20 किमी. ऊँची पहाड़ी पर निर्मित हैं। इनकी गिनती दुनिया के सर्वाधिक पुराने शैल चित्रों में होती है। ये शैल चित्र अब लगभग धुंधले हो चले हैं। इनमें सीढ़ीनुमा पुरूषाकृति, मत्स्य-कन्या और पशु आकृतियों सहित शिकार के दृश्य भी अंकित हैं।
- सिंघनपुर के अलावा ज़िला मुख्यालय रायगढ़ से केवल आठ किमी. पूर्व में स्थित कबरा पहाड़ पर निर्मित चित्र गैरिक रंग के हैं। इनमें जंगली भैंसा, कछुआ और पुरूष आकृतियों के साथ ज्यामितिक अलंकरण विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।
- आदि मानवों के शैल चित्रों की दृष्टि से रायगढ़ ज़िला काफी समृद्ध है। सिंघनपुर के शैलाश्रयों से दक्षिण पश्चिम में लगभग 17 किमी. की दूरी पर ग्राम बसनाझर (तहसील खरसिया) की पहाड़ियों में तो आदि मानवों द्वारा तीन सौ से अधिक चित्र अंकित किये गए हैं। जिनमें हाथी, गेंडा, जंगली भैंसा, सामूहिक नृत्य और शिकार आदि के दृश्य अंकित हैं।
- तहसील मुख्यालय खरसिया से केवल आठ किमी. ग्राम बोतल्दा के नज़दीक स्थित पहाड़ियों में करीब दो हज़ार फीट की ऊँचाई पर सिंह गुफा स्थित है, जिसकी दीवारों पर पशुओं के शिकार दृश्य और ज्यामितीय अलंकरण हज़ारों वर्ष पहले के मानव जीवन की हलचल का संकेत देते हैं।
- तहसील मुख्यालय खरसिया से बारह किमी. पर सूती घाट के नज़दीक ग्राम पतरापाली के पास की पहाड़ियों में भंवरखोल नामक प्रसिद्ध शैलाश्रय है, जिसकी दीवारों पर मत्स्य-कन्या, जंगली भैंसा, भालू, मानव हथेली और भारतीय संस्कृति के शुभंकर 'स्वास्तिक' चिन्ह भी अंकित हैं। ज़िला मुख्यालय से लगभग 72 किमी. पर उत्तर दिशा में धरमजयगढ़ के नजदीक ओंगना पहाड़ पर इस प्रकार के एक सौ से अधिक शैलचित्र देखे जा सकते हैं। इसमें बैलों के समूह और यहाँ तक कि दस सिरों वाली मानव आकृति भी शामिल हैं।

नोट :

- इतना ही नहीं बल्कि ज़िला मुख्यालय से ही तीस किमी. पर कर्मागढ़ की पहाड़ियों में तो सवा तीन सौ से भी ज्यादा चित्रांकन हज़ारों वर्ष पहले किये गए हैं। इनमें ज्यामिती आकृति सहित अन्य कई आकार प्रकार के चित्र उल्लेखनीय हैं।
- रायगढ़ से ही बारह किमी. पर टीपा खोल जलाशय के नजदीक खैरपुर की पहाड़ी में पशु-पक्षियों की आकृति वाले शैल चित्र भी दर्शकों के लिये कौतुहल का केंद्र हैं। खरसिया से दो किमी. पर ग्राम सोनबरसा की पहाड़ी में अमर गुफा, ज़िला मुख्यालय रायगढ़ से 32 किमी. पर ग्राम भैंसगढ़ी, बिलासपुर-रायगढ़ मार्ग पर सूती घाट तथा ज़िले के ही तहसील मुख्यालय सारंगढ़ के नज़दीक ग्राम गाताडीह और सिरौली डांगरी की पहाड़ियों में बने शैलाश्रय और शैल चित्र भी पुरातत्त्वविदों के लिये अनुसंधान का विषय बने हुए हैं।

गौठानों के प्रबंधन चुस्त-दुरूस्त बनाने के लिये एक फरवरी से पशुपालन विभाग चलाएगा विशेष अभियान

चर्चा में क्यों ?

18 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को गाँवों में बनाए गए गौठानों से गौ-मूत्र की खरीदी और मल्टीयुटीलिटी सेंटर सहित अन्य सुविधाओं को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक फरवरी से विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिये।

प्रमुख बिंदु

- कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा कि सभी गाँवों में पशुपालन विभाग के अधिकारी भ्रमण कर गौठानों में पशुओं के लिये डे-केयर की व्यवस्था, पशुओं के लिये चारे का प्रबंध सहित गौठानों के संचालन व्यवस्था का अवलोकन करेंगे।
- उन्होंने कहा कि मैदानी अमले द्वारा यह देखा जाए कि गौठानों में आने वाले पशुओं के लिये चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो। वे किसानों को पैरादान करने के लिये प्रेरित करें साथ ही दान किये गए पैरा को गौठान प्रबंधन समिति के माध्यम से गौंठानों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें।
- डॉ. कमलप्रीत ने अधिकारियों से कहा कि देशी गायों के नस्ल सुधार से ही पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि संभव हैं, अत: पशु नस्ल सुधार कार्य में आशातीत प्रगति लाई जाए। उन्होंने कहा कि राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना अंतर्गत कलस्टर में मिल्क रूट पर डेयरी इकाईयाँ स्वीकृत करें।
- डॉ. सिंह ने पशु चिकित्सक विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे विभाग के अंतर्गत योजनाओं के भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य फरवरी तक पूर्ण करें। योजनाओं का क्रियान्यवयन कलस्टर बनाकर करें एवं भविष्य में तिमाही लक्ष्य तय कर पूर्ण उपलब्धि सुनिश्चित की जाए।
- बैठक में पशुओं में लंपी डिसीज के संक्रमण की रोकथाम के लिये विभागीय अमले के कार्यों और गलघोटू, एकटंगिया, खुरा पका की रोकथाम हेतु संपादित टीकाकरण कार्य की भी सराहना की गई।

कस्टम मिलिंग चावल उपार्जन में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ज़िला प्रदेश में अव्वल

चर्चा में क्यों ?

18 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ज़िला कस्टम मिलिंग के चावल उपार्जन के मामले में प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- ज़िले में इस साल 4,60,300 क्विंटल चावल उपार्जन के लक्ष्य के विरूद्ध अब तक 2,96,870 क्विंटल चावल का उपार्जन किया जा चुका है, जो कि कुल लक्ष्य का 49 प्रतिशत है।
- ज़िले में धान खरीदी के साथ-साथ उपार्जित धान के उठाव एवं कस्टम मिलिंग का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। सीमावर्ती ज़िला होने की वजह से सभी चेक पोस्ट पर मालवाहकों की सघन जाँच अनवरत रूप से जारी है।
- गौरतलब है कि मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ज़िले में 23 उपार्जन केंद्रो में कुल पंजीकृत 16,022 किसानों में से 18 जनवरी तक 13,066 किसानों से 6,56,681 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है।

नोट :

- उपार्जित धान में से 5,27,263 क्विंटल धान का परिवहन राईस मिलरों के द्वारा किया जा चुका है, जो कि कुल खरीदी का 80 प्रतिशत है। ज़िले में धान खरीदी का कुल अनुमान 7,95,200 क्विंटल है।

कोड-ए-थान ओलंपियाड

चर्चा में क्यों ?

19 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि राज्य के सरकारी स्कूलों के छात्रों को कोडिंग के प्रति उत्साहित करने के लिये छत्तीसगढ़ शासन, हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ मिलकर कोडिंग ओलंपियाड का आयोजन कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि तकनीक के महत्त्व और भविष्य में इसकी अनिवार्य आवश्यकता को देखते हुए छोटी कक्षाओं से ही छात्र कोडिंग के प्रति आकर्षित और इसमें महारत हासिल करते रहे हैं। कोडिंग को भविष्य की भाषा भी कहा जाता है।
- उन्होंने बताया कि इस ओलंपियाड को भारत के बड़े कोडिंग ओलंपियाड्स में से एक माना जाता है। गेटिंग फ्यूचर रेडी की थीम पर कोडिंग ओलंपियाड में स्कूली छात्रों को सीखने (लर्न), शामिल होने (पार्टिसिपेट) और जीतने (विन) के मंत्र के साथ सरकारी स्कूलों के 5000 छात्रों को कोडिंग सिखाया जा रहा है।
- इस कोडिंग ओलिंपियाड में शामिल होने वाले छात्रों के लिये रजिस्ट्रेशन की आखिरी तारीख 5 फरवरी 2023 है। ओलंपियाड में हिस्सा लेने के लिये छात्र htcodeathon.com वेबसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।
- 23 फरवरी को छात्रों का क्वालिफायर राउंड और 23 फरवरी को ही छात्रों का फिनाले आयोजित होगा।

केंद्रीय पुल में सबसे ज़्यादा धान देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य बना छत्तीसगढ़

चर्चा में क्यों ?

20 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बताया कि वर्तमान खरीफ मार्केटिंग सीजन में सेंट्रल पूल में सबसे अधिक धान जमा कराने वाला छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य बन गया है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे एक बड़ी उपलब्धि करार देते हुए बताया कि लगातार चार वर्षों से छत्तीसगढ़ कृषि क्षेत्र में लगातार नए-नए कीर्तिमान रच रहा है। यह किसानों की मेहनत और खेती पर लौटे उनके भरोसे का ही परिणाम है।
- उन्होंने बताया कि इस साल राज्य में धान खरीदी का भी नया रिकॉर्ड कायम हो रहा है। अब तक 103 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी थी। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि निर्धारित अंतिम तिथि 31 जनवरी तक 110 लाख मीट्रिक टन के अनुमानित आँकडे भी पार हों जाएंगे।
- उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा 15 जनवरी को जारी रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ केंद्रीय पुल में 92 लाख मीट्रिक टन धान का योगदान दे चुका था। इस सीजन में सर्वाधिक धान जमा कराने वाला वह दूसरा प्रदेश बन चुका है।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों के चलते खेती-किसानी और किसानों के जीवन में सुखद बदलाव आया है। राज्य में फसल उत्पादकता एवं फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने के लिये छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना' के अलावा 'गोधन न्याय योजना', 'सुराजी गाँव योजना', किसानों की कर्ज माफी, सिंचाई कर माफी से राज्य के किसानों को एक नई ताकत मिली है, जिसके चलते राज्य में किसानों की संख्या और खेती के रकबे में लगातार वृद्धि हो रही है।
- उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी योजनाओं से इन चार वर्षों में लगातार किसानों की पंजीयन संख्या में वृद्धि हुई है। इस वर्ष 24.96 लाख किसानों ने पंजीयन कराया है, इनमें 2.30 लाख नए किसान हैं। किसानों को धान विक्रय में सहूलियत हो, इस लिहाज से इस साल राज्य में 135 नए उपार्जन केंद्र शुरू किये गए, जिसके कारण कुल उपार्जन केंद्रों की संख्या 2617 हो गई है।

नोट :

कृषि मंत्री ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में किया 'मिलेट कैफे'का लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

20 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में नवनिर्मित 'मिलेट कैफे'का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने बताया कि इस 'मिलेट कैफे'में कोदो, कुटकी, रागी तथा अन्य लघु धान्य फसलों से निर्मित विविध व्यंजन- इडली, दोसा, डोहा, उपमा, भजिया, खीर, हलवा, माल्ट, कुकीज के साथ ही इनसे निर्मित छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुरमी, अरसा, चाकोली, सेवई, पिढ़िया आदि आम जनता के लिये उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा लघु धान्य फसलों से निर्मित अन्य उत्पाद भी विक्रय के लिये उपलब्ध रहेंगे।
- उन्होंने बताया कि 'मिलेट कैफे'आम जनता में लघु धान्य फसलों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा उनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिये प्रारंभ किया गया है। यह देश में किसी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जाने वाला प्रथम मिलेट कैफे होगा।
- इस 'मिलेट कैफे'का संचालन कृषि विज्ञान केंद्र रायपुर द्वारा किया जाएगा और यहाँ विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित लघु धान्य व्यंजनों का विक्रय किया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि लघु धान्य फसलों की पोषकता तथा स्वास्थ्यप्रद मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 2023 को 'मिलेट वर्ष'घोषित किया गया है।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सॉफ्ट टेनिस टूर्नामेंट में रविवि की महिला टीम बनी चैंपियन

चर्चा में क्यों ?

20 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सॉफ्ट टेनिस टूर्नामेंट में रविवि की महिला टीम ने पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की टीम को फाइनल में हराकर विजेता का खिताब हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- डबल्स में रविवि की उर्वशी एवं निधि ने चंडीगड़ की रिया और राधिका को 5-1 से हराकर टीम को फाइनल विजेता का खिताब दिलाया। तीसरे स्थान पर अन्ना यूनिवर्सिटी चेन्नई रही, जिसने एमडीयू रोहतक को 2-0 से हराया।
- पुरुष वर्ग में गुजरात यूनिवर्सिटी ने पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ को 2-0 से हराकर विजेता का खिताब जीता। तीसरे स्थान पर अन्ना यूनिवर्सिटी चेन्नई रही, जिसने गुजरात टेक यूनिवर्सिटी को 2-1 से हराकर यह स्थान प्राप्त किया।
- छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।
- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सॉफ्ट टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन 17 से 20 जनवरी तक किया गया।

मुख्यमंत्री ने बलौदाबाज़ार में गढ़कलेवा का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

23 जनवरी, 2023 को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बलौदाबाज़ार ज़िला मुख्यालय में 3 हज़ार स्क्वायर फीट में निर्मित गढ़कलेवा का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इस दौरान मुख्यमंत्री ने गढ़कलेवा का अवलोकन किया और स्व-सहायता समूह की महिलाओं से बातचीत कर गढ़कलेवा में व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

नोट :

- मुख्यमंत्री को अर्चना महिला स्व सहायता समूह की सदस्यों ने बताया कि छत्तीसगढ़ी व्यंजन चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, अईरसा, चौसेला, तसमई, करी लड्डू, सोहारी अन्य विविध प्रकार के व्यंजन गढकलेवा में उपलब्ध रहेंगे।
- उन्होंने बताया कि गढ़कलेवा में दूध से दही एवं घी तथा डिब्बा बंद सूखा आयटम, तिल लड्डू, नमकीन, करी लड्डू, सलोनी, मूरकू, खाजा, बालूशाही, खुरमी, बिजौरी भी खरीददार खरीद सकते हैं।
- गढ़कलेवा में आने वाले ग्राहकों के बैठने के लिये आउटडोर और इनडोर की व्यवस्था की गई है, जहाँ पर ग्राहक पसंदीदा व्यंजनों का स्वाद ले सकते हैं।
- उल्लेखनीय है कि गढ़कलेवा में ग्रामीण परिवेश का अनुभव कराने के लिये अलग से कुरिया का निर्माण किया गया है। जहाँ पर ज़मीन पर बैठकर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का लुफ्त उठाने के लिये गोबर से लिपाई की गई है। गढ़कलेवा में आकर्षक सेल्फी पाइंट सहित वाईफाई की सुविधा मिलेगी।

छत्तीसगढ़ के छात्र मास्टर आदित्य प्रताप सिंह 'राष्ट्रीय बाल शक्ति पुरस्कार'से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

23 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने नई दिल्ली में आयोजित एक पुरस्कार समारोह में छत्तीसगढ़ के छात्र मास्टर आदित्य प्रताप सिंह चौहान सहित 11 बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार, 2023 प्रदान किये।

प्रमुख बिंदु

- राजधानी रायपुर के निवासी आदित्य प्रताप सिंह चौहान को इनोवेशन के लिये यह पुरस्कार दिया गया है। आदित्य ने माइक्रोमा नामक उपकरण तैयार किया है, जो पानी से बैक्टीरिया, माइक्रो कास्टिक डिटेक्ट और फिल्टर कर सकता है।
- उल्लेखनीय है कि भारत सरकार नवाचार, समाज सेवा, शैक्षिक, खेल, कला एवं संस्कृति और वीरता की छह श्रेणियों में 5 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करती है।
- प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक, एक लाख रुपए का नकद पुरस्कार और एक प्रमाण-पत्र दिया जाता है।
- इस वर्ष, कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, सामाजिक सेवा और खेल की श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किये गए।
- बाल शक्ति पुरस्कार की विभिन्न श्रेणियों के तहत देश भर से 11 बच्चों को पीएमआरबीपी-2023 के लिये चुना गया। पुरस्कार पाने वालों में 11 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के 6 लड़के और 5 लड़कियाँ शामिल हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश के पहले रुरल इंडस्ट्रियल पार्क का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

26 जनवरी 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर बस्तर ज़िले के तुरेनार में देश के पहले रुरल इंडस्ट्रियल पार्क (RIPA) का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने 'रीपा'परिसर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम और किसान मेला में बताया कि प्रदेश भर में इस तरह के 300 रुरल इंडस्ट्रियल पार्क बनाए जा रहे हैं। रोज़गार के मौके बढ़ाने के लिये हर विकासखंड में दो-दो 'रीपा'तैयार किये जा रहे हैं।
- ग्रामीणों के स्वरोज़गार के लिये यहाँ पाँच एकड़ में 20 वर्क्रिंग शेड्स बनाए गए हैं। वर्क्रिंग शेड्स के साथ ही यहाँ प्रशिक्षण केंद्र और आवासीय प्रशिक्षण के लिये प्रशिक्षुओं हेतु आवासीय परिसर भी बनाया गया है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को काम के लिये बाहर जाना न पड़े, इसके लिये सरकार स्थानीय स्तर पर रोज़गार के अवसर बढ़ा रही है। रुरल इंडस्ट्रियल पार्क गाँवों में स्वरोज़गार के लिये जरूरी संसाधन मुहैया कराएगा। 'रीपा'से गाँव स्वावलंबी बनेंगे, ग्रामीण आर्थिक रूप से सशक्त होंगे और महिलाएँ भी आत्मनिर्भर होंगी।

नोट :

- राज्य शासन के सहयोग से विभिन्न समूहों द्वारा तुरेनार 'रीपा' में मशरूम स्पॉन लैब एवं आएस्टर मशरूम उत्पादन, बटन मशरूम एवं आएस्टर मशरूम उत्पादन, काजू प्रसंस्करण, कोदो, कुटकी, रागी, मसाला, तिखुर प्रसंस्करण एवं अचार निर्माण, सुगंधित चावल एवं दाल उत्पादन, ईमली केंडी व चपाती निर्माण, चिरोंजी प्रसंस्करण, रेशम धागाकरण, मुर्गी पालन, अंडा उत्पादन, तेल पेराई, नॉन वुवेन बैग, पेपर बैग, दोना, पत्तल, प्राकृतिक गोबर पेंट, सूती वस्त्र, मछली दाना एवं मुर्गी दाना निर्माण के साथ ही बेकरी इकाई संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को दी बड़ी सौगात

चर्चा में क्यों ?

26 जनवरी 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को अनेक महत्त्वपूर्ण सौगात दी है।

प्रमुख बिंदु

- प्रदेश में आदिवासी पर्व सम्मान निधि की घोषणा- आगामी वित्तीय वर्ष से सरकार बस्तर संभाग, सरगुजा संभाग और प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासी समाज के पर्वों के उत्तम आयोजन के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत को 10 हज़ार रुपए प्रतिवर्ष प्रदान करेगी।
- युवाओं को मिलेगा बेरोज़गारी भत्ता- अगले वित्तीय वर्ष से बेरोज़गारों को हर महीने बेरोज़गारी भत्ता दिया जाएगा।
- महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन हेतु शुरू होगी नई योजना- महिला समूहों महिला उद्यमियों, महिला व्यवसायियों एवं महिला स्टार्ट अप को व्यापार उद्योग स्थापित करने हेतु नवीन योजना आरंभ की जाएगी।
- राज्य में गठित होगा नवाचार आयोग- छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत को सहेजने और संजोने के बाद छत्तीसगढ़ को प्रगति पथ पर अनवरत आगे बढ़ाने के लिये राज्य में छत्तीसगढ़ राज्य नवाचार आयोग का गठन किया जाएगा।
- राज्य में बनेगी एयरोसिटी- रायपुर एयरपोर्ट में यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देने, एयरपोर्ट क्षेत्र के वाणिज्यिक विकास और रोज़गार सृजन के लिये स्वामी विवेकानंद विमानतल के पास एयरोसिटी विकसित की जाएगी।
- राज्य में बनेगी ग्रामीण उद्योग नीति- छत्तीसगढ़ में कुटीर उद्योग आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, रोज़गार और लोगों की आय बढ़ाने के लिये ग्रामीण उद्योग नीति बनाई जाएगी।
- औद्योगिक इकाईयों को संपत्ति कर से मिलेगी मुक्ति- उद्योग विभाग द्वारा विकसित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित इकाईयों को संपत्ति कर के भार से मुक्त किया जाएगा।
- जीवनदायिनी खारून नदी पर बनेगा रिवर फ्रंट- रायपुर और दुर्ग ज़िले की जीवनदायिनी और जन आस्था का केंद्र खारून नदी व्यापार और मनोरंजन का भी एक महत्त्वपूर्ण केंद्र है। खारून नदी पर उत्कृष्ट रिवर फ्रंट विकसित की जाएगी।
- विद्युत शिकायत के निराकरण के लिये बनेगी आधुनिक ऑनलाईन निराकरण प्रणाली- बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा के लिये अत्याधुनिक ऑनलाईन शिकायत एवं निराकरण प्रणाली विकसित की जाएगी।
- निर्माण श्रमिकों के लिये मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना होगी शुरू- छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में लगातार तीन साल पंजीकृत निर्माणी श्रमिकों को स्वयं का मकान बनाने हेतु 50 हज़ार रुपए अनुदान देने की योजना लाई जाएगी।
- राज्य में प्रतिवर्ष राष्ट्रीय रामायण/मानस महोत्सव का होगा आयोजन
- चंदखुरी में प्रतिवर्ष आयोजित होगा माँ कौशल्या महोत्सव

राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता-2022 में छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने मारी बाजी

चर्चा में क्यों ?

25 जनवरी 2023 को भारत निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2023 के अवसर पर राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता-2022 के विजेताओं की घोषणा कर दी। इसमें छत्तीसगढ़ के 4 प्रतिभागियों को विजेता चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- गीत विद्या की श्रेणी में धमतरी की हर्षिता पटेल, वीडियो में दुर्ग के अरविंद कुमार यादव, स्लोगन में बस्तर के अभय संवेदकर और आशीष सावंत ने बाजी मारी है।

नोट :

- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रीना बाबा साहेब कंगाले ने पूरे देश में प्रदेश का मान बढ़ाने वाले सभी विजेताओं को इस उपलब्धि पर बधाई दी।
- गौरतलब है कि भारत निर्वाचन आयोग ने कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रत्येक वोट के महत्त्व पर ज़ोर देने के लिये 25 जनवरी, 2022 को 12वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिता-2022 का आयोजन किया था।
- यह प्रतियोगिता पाँच विधाओं में आयोजित की गई थी जिसमें गीत, वीडियो, पोस्टर, स्लोगन और क्विज शामिल थीं। 'मेरा वोट मेरा भविष्य है: एक वोट की शक्ति' विषय के साथ सभी उम्र के प्रतिभागियों ने इसमे भाग लिया।

छत्तीसगढ़ की तीन विभूतियाँ पद्म श्री सम्मान के लिये चयनित

चर्चा में क्यों ?

25 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपति ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वर्ष 2023 के लिये देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों 'पद्म पुरस्कारों' की घोषणा की। इनमें छत्तीसगढ़ की तीन विभूतियों को पद्म श्री अवार्ड के लिये चुना गया है।

प्रमुख बिंदु

- वर्ष 2023 के लिये राष्ट्रपति ने तीन द्वय मामलों (एक द्वय मामले में, पुरस्कार को एक के रूप में गिना जाता है) सहित 106 पद्म पुरस्कार प्रदान करने की मंजूरी दी है।
- सूची में 6 पद्म विभूषण, 9 पद्म भूषण और 91 पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं। पुरस्कार पाने वालों की सूची में 19 महिलाएँ हैं और विदेशियों/एनआरआई/पीआईओ/ओसीआई की श्रेणी के 2 व्यक्ति और 7 मरणोपरांत पुरस्कार पाने वाले भी शामिल हैं।
- पद्म श्री अवार्ड के लिये चयनित छत्तीसगढ़ की तीन विभूतियों में सुश्री उषा बारले, डोमार सिंह कुँवर और अजय कुमार मंडावी शामिल हैं।
- दुर्ग ज़िले की सुश्री उषा बारले को पंडवानी गायन के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इन्होंने प्रख्यात पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजनबाई से पंडवानी का प्रशिक्षण लिया है। बारले न केवल भारत बल्कि लंदन और न्यूयार्क जैसे शहरों में भी पंडवानी की प्रस्तुति दे चुकी हैं।
- बालोद ज़िले के ग्राम लाटा बोड़ के निवासी नृत्य कला के साधक एवं मशहूर कलाकार डोमार सिंह कुँवर को छत्तीसगढ़ की विलुप्त होती नाचा कला को देश से लेकर विदेशों तक ख्याति दिलाने के लिये पद्म श्री हेतु चयन किया गया है। इन्होंने इस कला का 5 हज़ार से भी ज्यादा बार मंचन किया है।
- कांकेर ज़िले के ग्राम गोविंदपुर के रहने वाले अजय कुमार मंडावी ने काष्ठ शिल्प कला में गोंड ट्राईबल कला का समागम किया है। उन्होंने नक्सली क्षेत्र के प्रभावित और भटके हुए लोगों को काष्ठ शिल्प कला से जोड़ते हुए क्षेत्र के 350 से ज्यादा लोगों के जीवन में बदलाव लाने के साथ-साथ लकड़ी की अद्भुत कला से युवाओं को जोड़ा है। युवाओं के हाथ से बंदूक छुड़ाकर छेनी उठाने के लिये प्रेरित करने जैसे कार्यों के लिये मंडावी को पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।
- गौरतलब है कि देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में पद्म पुरस्कार शामिल है। पद्म पुरस्कार तीन श्रेणियों- पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री के रूप में प्रदान किये जाते हैं। प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुरस्कारों की घोषणा की जाती है।
- ये पुरस्कार कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य व शिक्षा, खेल, सिविल सेवा आदि जैसे विभिन्न विषयों/गतिविधियों के क्षेत्रों में दिये जाते हैं।
- असाधारण और विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म विभूषण', उच्च स्तर की विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म भूषण' और किसी भी क्षेत्र में विशिष्ट सेवा के लिये 'पद्म श्री' से सम्मानित किया जाता है।
- ये पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक समारोहों में प्रदान किये जाते हैं जो आमतौर पर हर साल मार्च/अप्रैल के आसपास राष्ट्रपति भवन में आयोजित किये जाते हैं।

नोट :

राज्यस्तरीय युवा महोत्सव 2022-23 का मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

चर्चा में क्यों ?

28 जनवरी, 2022 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में राज्यस्तरीय युवा महोत्सव 2022-23 का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

- तीनदिवसीय राज्यस्तरीय महोत्सव का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग की ओर से किया जा रहा है। इसका समापन 30 जनवरी को होगा
- राज्यस्तरीय युवा महोत्सव में छत्तीसगढ़िया खेल, जैसे- फुगड़ी, भौंरा और गेड़ी दौड़ की स्पर्धाएँ होंगी। साथ ही छत्तीसगढ़ी लोक गीत और लोक नृत्य करमा, राउत नाचा, पंथी, सरहुल, सुवा, बस्तरिया नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति भी राज्यस्तरीय युवा महोत्सव में देखने को मिलेगी।
- महोत्सव में छत्तीसगढ़ी संस्कृति से संबंधित चित्रकला, छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा और व्यंजनों के फूड फेस्टिवल का आयोजन होगा।
- महोत्सव के पहले दिन राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान और पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में लोकगीत, तात्कालिक भाषण, शास्त्रीय संगीत, हिंदुस्तानी और कर्नाटका संगीत, तबला और गिटार वादन की प्रतियोगिताएँ हुईं। साथ ही निबंध, चित्रकला, खो-खो महिला एवं पुरुष, कबड्डी महिला एवं पुरुष तथा कुश्ती महिला एवं पुरुष वर्ग की प्रतियोगिताएँ हुईं।
- राज्यस्तरीय युवा महोत्सव-2023 के अंतर्गत पहले दिन आयोजित लोकनृत्य प्रतियोगिता में 15 से 40 वर्ष आयुवर्ग में पहला स्थान रायपुर संभाग के ज़िला धमतरी, दूसरा स्थान बिलासपुर संभाग के ज़िला जांजगीर-चांपा एवं तीसरा स्थान दुर्ग संभाग के ज़िला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई के लोकनृत्य दल ने हासिल किया।
- वहीं 40 वर्ष से अधिक आयुवर्ग में पहला स्थान बिलासपुर संभाग के ज़िला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, दूसरा स्थान दुर्ग संभाग के ज़िला राजनांदगांव एवं तीसरा स्थान रायपुर संभाग के ज़िला महासमुंद के लोकनृत्य दल ने प्राप्त किया।
- राज्यस्तरीय युवा महोत्सव में 15 से 40 वर्ष आयु वर्ग में करमा नृत्य में रायगढ़ प्रथम, कांकेर द्वितीय एवं सूरजपुर तृतीय स्थान पर रहा। 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में खैरागढ़ प्रथम, महासमुंद द्वितीय एवं जसपुर तृतीय स्थान पर रहा।
- युवा महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित सुआ नृत्य प्रतियोगिता में 15 से 40 वर्ष आयु वर्ग में पहला स्थान खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, द्वितीय स्थान बलौदाबाज़ार एवं तीसरा स्थान सूरजपुर ज़िले के प्रतिभागियों को मिला।
- युवा महोत्सव के दूसरे दिन आयोजित क्विज़ प्रतियोगिता में में 15 से 40 वर्ष आयु वर्ग में सरगुजा संभाग से विनय कुमार गुप्ता ने प्रथम, बिलासपुर के सूरज कुमार सोनी ने द्वितीय और रायपुर से मोनेश कुमार साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में बस्तर संभाग के विनोद कुमार नेताम और पुरुषोत्तम जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। बिलासपुर के रूपेश चौहान ने द्वितीय और रायपुर के भुवनेश्वर वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

नोट :